



आज शनिवार है

आज शनिवार है शनिदेव का वार है।
इक बार जो दर्शन करले उसका बेड़ा पार है॥

शनि के मंदिर आके जो भी तेल चढ़ाता है,
किरपा करते हैं शनि देवा मन चाहा फल पाता है।
सच्चा ये दरबार है होती जय जय कार है,
इक बार जो दर्शन करले उसका बेड़ा पार है॥
आज शनिवार है...

त्रिलोकी में शनि देव सा कोई और महान नहीं,
अपने भक्तों के दुःखो से शनि देव अनजान नहीं।
होता बेड़ा पार है हो जाता उद्धार है,
इक बार जो दर्शन करले उसका बेड़ा पार है॥
आज शनिवार है...

इनकी दृष्टि से कोई नहीं बच पाया है,
सभी देवता सिर को झुकाते ऐसी इनकी माया है।
चंचल सेवा धार है लीला अपरमपार है,
इक बार जो दर्शन करले उसका बेड़ा पार है॥
आज शनिवार है...

जय जय शनि देव महाराज-संकट दूर करे शनि
देव

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
तुम सूर्य पुत्र बलिधारी, भय मानत दुनिया सारी।
साधत हो दुर्लभ काज॥

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
तुम धर्मराज के भाई, जब क्रूरता पाई।
घन गर्जन करते आवाज ॥

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
तुम नील देव विकराली, है साँप पर करत सवारी।
कर लोह गदा रह साज ॥

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
तुम भूपति रंक बनाओ, निर्धन स्रछंद्र घर आयो।
सब रत हो करन ममताज ॥

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
राजा को राज मितयो, निज भक्त फेर दिवायो।
जगत में हो गयी जय जयकार ॥

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
तुम हो स्वामी हम चरणं, सिर करत नमामी जी।
पूर्ण हो जन जन की आस॥
जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
जहाँ पूजा देव तिहारी, करें दीन भाव ते पारी।
अंगीकृत करो कृपाल॥
जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
कब सुधि दृष्टि निहरो, छमीये अपराध हमारो।
है हाथ तिहारे लाज॥
जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
हम बहुत विपत्ति घबराए, शरणागत तुम्हरी आये।
प्रभु सिद्ध करो सब काज॥
जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।

जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।
यहाँ विनय करे कर जोर के, भक्त सुनावे जी।
तुम देवन के सिरताज ॥
जय जय शनि देव महाराज, जन के संकट हरने वाले।



हिन्दीपथ.कॉम

अन्य भजन

- [आज रविवार है](#)
- [आज सोमवार है](#)
- [आज मंगलवार है](#)
- [आज बुधवार है](#)
- [आज गुरुवार है](#)
- [आज शुक्रवार है](#)
- [आज शनिवार है](#)

हिन्दीपथ.कॉम